**स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय में बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम लिमिटेड के सहयोग से फिल्म अभिनय पर एक दिवसीय मास्टर क्लास का आयोजन**

**पटना, 23 मार्च 2025.** बिहार दिवस के अवसर पर आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन में बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम लिमिटेड के सहयोग से फिल्म अभिनय पर एक दिवसीय मास्टर क्लास का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को अभिनय की बारीकियों से परिचित कराना और फिल्म इंडस्ट्री में उनके करियर को प्रोत्साहित करना था।

बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक-सह-सचिव, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, श्री प्रणव कुमार ने संदेश दिया कि “बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और भारतीय फिल्म उद्योग में इसकी बढ़ती उपस्थिति हमारे लिए गर्व का विषय है। ऐसे प्रयासों के माध्यम से हम उभरते कलाकारों को अभिनय की बारीकियों से परिचित कराना चाहते हैं, जिससे वे अपने कौशल को निखार सकें और सिनेमा में योगदान दे सकें। हेमंत माहौर जी का मार्गदर्शन और अनुभव बिहार के युवा प्रतिभाओं को प्रेरित करेगा। अभिनय केवल संवाद बोलने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह एक चरित्र को जीने, उसकी भावनाओं को समझने और उसे प्रभावी रूप से दर्शकों तक पहुँचाने की कला है। जुनून, धैर्य और सतत अभ्यास ही एक अच्छे अभिनेता की पहचान है।”

इस विशेष मास्टर क्लास का संचालन प्रसिद्ध अभिनय प्रशिक्षक श्री हेमंत माहौर ने किया। उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्मों में अभिनय किया है और भारत के प्रमुख थिएटर एवं फिल्म संस्थानों में बतौर प्रशिक्षक अपनी सेवाएं दी हैं।

मास्टर क्लास के दौरान श्री माहौर ने छात्र-छात्राओं को अभिनय के विभिन्न पहलुओं, किरदार में डूबने की तकनीक और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग से अवगत कराया। उन्होंने बिहार में फिल्म इंडस्ट्री की बढ़ती संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला और कहा कि बिहार जिस तरह लगातार फिल्म वर्कशॉप और फिल्म प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है जो सराहनीय है।

अपने स्वागत भाषण में स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म एंड मास कम्युनिकेशन की प्रभारी डॉ० मनीषा प्रकाश ने कहा कि बिहार ज्ञान, कला और कथा कहने की कला के लिए जाना जाता रहा है। महान साहित्यिक परंपराओं से लेकर जीवंत लोक नाटक और सिनेमा तक, हमारे राज्य ने भारत के कलात्मक और फिल्मी परिदृश्य में अनमोल योगदान दिया है।

कार्यक्रम में बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम के फिल्म कंसल्टेंट श्री अरविंद रंजन दास ने कहा कि बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम का उद्देश्य बिहार में एक सशक्त फिल्म इंडस्ट्री स्थापित करना और स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ाना है। वहीं, बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम के वित्त कंसल्टेंट श्री विद्या धर मिश्र ने घोषणा की कि “बिहार फिल्म प्रोत्साहन नीति 2024 की कंडिका 9.13 में फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान, पुणे, सत्यजीत रे फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान, कोलकाता, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (नई दिल्ली, गंगटोक, बैंगलोर, अगरतल्ला और वाराणसी) में बिहार के अध्ययनरत नियमित छात्रों के लिए वार्षिक छात्रवृति का भी प्रावधान है। तदनुसार इन संस्थानों के नियमित पाठ्यक्रम में डिग्री/डिप्लोमा में अध्ययनरत बिहार के छात्रों के आवेदन पर बार्षिक छात्रवृति हेतु विचार किया जाएगा।”

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री रामजी सिंह ने कहा कि जीवन के हर मोड़ पर अभिनय की आवश्यकता होती है। एक अच्छा लीडर भी एक अच्छा अभिनेता होता है।

कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं को अभिनय को लेकर कई गतिविधि करवाई गई। कुछ परिस्थियों के आधार पर एक्टिंग करने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया गया जिसे प्रतिभागियों ने बखूबी निभाने की कोशिश करते हुए अभिनव की बारीकियाँ सीखी। उच्चारण को ठीक करने के लिए कई तरीके बताए गए। प्रशिक्षक ने बताया कि जीवन की परिस्थितियाँ ही सबसे बेहतर अनुभव होता है जिसे एक्टिंग में उतारना प्रभावी होता है।

कार्यक्रम का संचालन स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन में फैकल्टी डॉ संदीप कुमार दुबे कर रहे थे। इस मौके पर बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम लिमिटेड की पीएमयू लीड श्रीमती मीनाक्षी चौधरी के साथ अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहें|